मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 192, मुंबई, गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

संजय निरुपम बोले– शस्त्र पूजा को तमाशा नहीं कहा जा सकता

खड़गे नास्तिक हैं

निरुपम ने कहा कि हमारे देश में शस्त्र पूजा की परंपरा पुरानी है

मुंबई। पार्टी से नाराज चल रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम अब हिंदूवादी विचारधारा को लेकर नरम होते नजर आ रहे हैं। बुधवार को कांग्रेस नेता ने कहा कि शस्त्र पूजा को तमाशा नहीं कहा जा सकता। हमारे देश में शस्त्र पूजा की परंपरा पुरानी है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुपरस्टार धर्मेंद्र को हुआ डेंगू

मुंबई। एक्टर धर्मेंद्र की तबियत इन दिनों नासाज है। धर्मेंद्र को डेंगू हो गया था। डेंगू के चलते उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। अब खबर के मुताबिक, धर्मेंद्र की तबियत में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

तीनों ओबीसी चेहरे सीन से बाहर

40% वोटरों को कैसे लुभाएगी बीजेपी

मुंबई। सत्तर के दशक में समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने कभी नारा दिया था समाजवादी सोशलिस्ट पार्टी ने बांधी गांठ पिछड़ा पावे सौ में साठ। लोहिया ने ये नारा बिहार और उत्तर प्रदेश में सत्ता पर ब्राह्मण और सवर्ण वर्चस्व को तोड़ने के लिए दिया था। पहले 2014 और फिर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने भी खुद के पिछड़े वर्ग से होने का कार्ड खेलकर सियासी जंग फतह की थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महाराष्ट्र में ओबीसी सियासत

बता दें कि महाराष्ट्र में ओबीसी करीब 356 जातियों में विभाजित हैं और इन्हें 19 फीसदी आरक्षण मिलता है। 1931 में अंतिम बार हुई जातिगत जनगणना के मुताबिक देश की कुल आबादी का 52 फीसदी हिस्सा अति पिछड़ा वर्ग का था। महाराष्ट्र में ओबीसी की आबादी करीब 40 फीसदी है, जिसमें धनगर, घुमंतु, कुनबी, बंजारा, तेली, माली, लोहार और कुर्मी जैसी जातियां शामिल हैं। महाराष्ट्र में ओबीसी वर्ग की राजनीति को तब गति मिली जब मंडल आयोग की सिफारिशों को सरकार ने लागू किया। इसमें बीजेपी के गोपीनाथ मुंडे, एनसीपी के छगन भुजबल, एकनाथ खड़से, नाना पटोले जैसे चेहरे उभरकर सामने आए।

सियासी नब्ज को देखते हुए कभी मराठी भाषा और अस्मिता के मुद्दों पर लड़ने वाली शिवसेना इस चुनाव में विभिन्न जातियों के वोट बटोरने के प्रयास में है।

महाराष्ट्र में बीजेपी के तीन प्रमुख ओबीसी नेता गोपीनाथ मुंडे, एकनाथ खडसे और विनोद तावड़े माने जाते थे, जिन्होंने ओबीसी के वोट को लेकर पार्टी में आए थे। ये तीनों ओबीसी नेता अलग-अलग कारणों से इस बार के विधानसभा चुनाव में सीन से बाहर हैं। ऐसे में प्रदेश के ओबीसी समुदाय को साधने के लिए बीजेपी के अध्यक्ष अमित शाह ने कमान संभाली है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

स्क्रूड्राइवर से बिल्ली को मारने पर कोर्ट ने लगाया 9 हजार का जुमार्ना

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने चेंबूर के एक 40 साल के शख्स को एक बिल्ली की निर्मम हत्या के आरोप में दोषी पाते हुए पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम के तहत उस पर 9,150 रुपये का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने संजय गढ़े को मई 2018 में अपने घर के बाहर एक बिल्ली को स्क्रूड्राइवर से गोदकर मारने के आरोप में यह सजा सुनाई है।

पिछले साल हुई इस घटना के बाद संजय गढ़े का वह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें उसने मरी हुई बिल्ली को एक डंडे से लटका रखा था। चूंकि संजय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था इसलिए किसी की गवाही की जरूरत नहीं पड़ी। संजय ने अपना अपराध स्वीकारते हुए कम से कम सजा देने का अनुरोध किया था। इसके बाद अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'अभियुक्त ने माना है कि उसने बिल्ली पर अत्याचार किया और उसकी हत्या की। इसलिए वह कानून सजा का हकदार है।' संजय गढे.का कहना था कि उसने गुस्से में ऐसा किया क्योंकि बिल्ली ने उसका घर गंदा कर दिया था। गढ़े पर सबूत नष्ट करने, जानवर पर अत्याचार करने और गड़बड़ी फैलाने जैसे कई इलजाम थे। लेकिन कोर्ट ने उसे जेल नहीं भेजा। कोर्ट का कहना था, 'अभियुक्त शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार है। इसलिए सजा सुनाते समय उसके साथ नरमी बरती गई है।' पुलिस ने गढ़े पर जो धाराएं लगाईं थीं उनके तहत उसे अधिकतम दो साल तक की जेल हो सकती थी। गढ़े चेंबूर के इंदिरानगर का रहने वाला है और बेरोजगार है। यह घटना 14 मई साल 2018 को दोपहर 1:30 बजे हुई। उसे अपने घर के बाहर एक लकड़ी के डंडे पर बिल्ली का शव लटकाए देखा गया था। पशु अधिकार कार्यकर्ता निराली कोराडिया ने इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस साल 30 सितंबर को गढ़े ने वकील के जरिए अदालत में अपील की थी कि वह अपना अपराध स्वीकार करना चाहता है।

भिखारी की मौत के बाद झोपड़ी से मिले थे 10 लाख रुपये, दावे के लिए सामने आए बेटे

मुंबई। पिछले दिनों मुंबई में जिस भिखारी की मौत के बाद उसके घर से करीब 10 लाख रुपये की जमा-पूंजी मिली थी, अब उसके पांचों बेटे शव और पैसों पर दावा करने आगे आए हैं। बता दें कि भिखारी की पिछले दिनों गोवंडी स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। इसके बाद उसके घर से 1.77 लाख रुपये के सिक्के और 8.77 लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट के पेपर्स मिले थे। शुक्रवार करीब 9 बजे, बिरभीचंद आजाद गोवंडी स्टेशन के पास ट्रैक पार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेन ने उन्हें कुचल दिया। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। जीआरपी पुलिस ने शव की पहचान की और उसे लेकर टाटा नगर स्थित झुग्गी बस्ती स्थित भिखारी के झोपड़े में पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर पुलिसवालों की आंखें फटी रह गई। झोपड़ी सिक्कों से भरी पड़ी थी। पुलिस को भिखारी के घर से 1.77 लाख रुपये के सिक्के और 8.77 लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट के पेपर्स मिले। भिखारी ने पैन कार्ड, आधार कार्ड और सीनियर सिटिजन कार्ड भी बनवा रखा था। भिखारी की झोपड़ी में इतनी दौलत देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। चार बैगों में भरकर रखे गए सिक्कों को गिनने में भी पुलिस को छह घंटे लगे। पुलिस को कुछ कागजात भी मिले थे जिसमें उनका पता राजस्थान दिया था। इसके बाद उन्होंने राजस्थान पुलिस से भिखारी के परिवार को सूचित करने की गुजारिश की। भिखारी के दो बेटों ने वाशी जीआरपी से संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि भिखारी के चार बेटे तल्लिया सरनेम का इस्तेमाल करते हैं जबकि पांचवां बेटा अपने पिता का सरनेम इस्तेमाल करता है। एक बेटा मुंबई में जबकि बाकी चारों राजस्थान में रहते हैं। आजाद की पत्नी मैथीदेवी राजस्थान में अपने एक बेटे के साथ उसके घर में रहती हैं।

उद्धव ठाकरे ने किया 10 रुपये में खाने और बिजली में छूट का वादा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावी माहौल में हुई शिवसेना की दशहरा रैली में शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर से लेकर 370 तक पर खूब दहाड़ लगाई। बीजेपी के साथ सीट बंटवारे पर भी उन्होंने सफाई दी। लगे हाथ ठाकरे ने चुनावी घोषणा पत्र के कुछ वादे भी कर डाले। ठाकरे ने 10 रुपये में भरपेट खाना और 300 यूनिट तक बिजली का उपयोग करनेवालों के बिलों में 30 प्रतिशत छूट देने वादा किया। इसके अलावा एक समृद्ध महाराष्ट्र बनाने के लिए गांवों में वन रुपी स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने का वादा भी किया।

दशहरा रैली में शिवसेना ने जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। शिवाजी पार्क पर आयोजित रैली में राज्यभर से बड़ी संख्या में शिवसैनिक आए। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को याद करते हुए एक बार फिर विधानसभा पर भगवा लहराने की अपील की। ठाकरे ने कहा कि आज पहली विजयादशमी है और 24 तारीख को

चुनाव परिणाम निकलने पर दूसरी होगी।

उद्धव ने राम मंदिर का मुद्दा छेड़ते हुए मोदी सरकार से अपील की कि अगर विशेष कानून बनाना पड़े, तो बनाएं, लेकिन राम मंदिर का निर्माण करे। हम इस मांग पर कायम हैं कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य व विशाल मंदिर बने। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर बनाने का फैसला दिया, तो ठीक है, वरना विशेष कानून बनाकर राम मंदिर बनाने की मांग पर शिवसेना अडिग है।

नहीं झुकी शिवसेना

बीजेपी के साथ गठबंधन और सीट बंटवारे पर उद्धव ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि महायुति के लिए शिवसेना झुकी है, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटील ने विनती की थी कि हमारी परेशानी समझें। जो लोग सीट बंटवारे को लेकर टिप्पणी कर रहे हैं, उनसे मेरा सवाल है कि अगर बीजेपी को समर्थन नहीं दें, तो किसे दें? क्या 370 हटाने का विरोध करने वाली कांग्रेस को समर्थन दें? राज्य में बीजेपी और शिवसेन युति जनता ने स्वीकार किया है।

बदले की राजनीति मंजूर नहीं

उद्धव ने कहा कि बदले की राजनीति जो भी करेगा, उसे माफ नहीं करूंगा। ठाकरे ने याद दिलाया कि वर्ष 2000 में क्या हुआ था? बालासाहेब ठाकरे को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया था। क्या उस वक्त बदले की राजनीति नहीं हो रही थी?

बच्चे के यौन उत्पीड़न और हत्या में मिली उम्रकैद, 7 साल बाद हाई कोर्ट ने किया बरी

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले से सभी को चौंका दिया। कोर्ट ने एक 10 साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न करने और हत्या के दोषी शख्स को उम्रकैद की सजा पाने के सात साल बाद बरी कर दिया। वैभव मोरे पर आरोप था कि अक्टूबर 2010 को वह बगल में रहने वाले एक 10 वर्षीय बच्चे को अपने साथ ले गया और उसके साथ अप्राकृतिक दुराचार करने के बाद उसकी हत्या कर दी।

अपने फैसले में हाई कोर्ट के जज बीपी धर्माधिकारी और स्वपन जोशी ने न सिर्फ वैभव को बरी किया, बल्कि जिस तरह इस मामले में अभियोजन पक्ष ने काम किया उसको लेकर भी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'इस मामले में अभियोजन का पक्ष ठोस और तर्कसंगत नहीं लगता। पूरा घटनाक्रम भी संदिग्ध है और इसे भी अभियोजन मजबूती से साबित नहीं कर सका है।'

महाराष्ट्रः सहयोगी दलों के नेताओं को तोड़ रही बीजेपी, मुश्किल में पार्टियां

मुंबई। मुंबई के भुसावल में रविवार रात बीजेपी के एक पार्षद रवींद्र खरात और उनके परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके अंतिम संस्कार में बीजेपी नेताओं से ज्यादा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले समूह) के कार्यकताओं की संख्या थी। यहां तक कि आरपीआई (ए) के अध्यक्ष रामदास अठावले भी अपने आधिकारिक कार्यक्रमों को स्थगित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने भुसावल पहुंचे थे।

रवींद्र खरात भुसावल म्यूनिसिपल चुनाव में बीजेपी के टिकट पर पार्षद चुने जाने से पहले लंबे समय तक आरपीआई (ए) के सदस्य थे। बीजेपी और आरपीआई (ए) महाराष्ट्र में सहयोगी पार्टियां हैं और आरपीआई (ए) ने जब भुसावल सिविक पोल में सीट की मांग की तो बीजेपी ने इस सीट को सिर्फ एक शर्त पर आरपीआई को दिया था कि रवींद्र बीजेपी के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। इस कदम से बीजेपी के लिए दो चीजें पक्की हुईं। पहली, पार्टी के चुनाव चिह्न पर लड़ने वाला उम्मीदवार अपने आप उनकी पार्टी में आ गया और दूसरा, इससे बीजेपी की ताकत बढ़ने का संदेश गया। पार्टी लंबे समय से सरकार में शामिल अपने ही सहयोगी दलों के सदस्यों को सुनियोजित ढंग से अपने पाले में लाती रही है।

जिस सहयोगी को कमल निशान पर लड़ाया, वह बीजेपी का ही हो गया। उदाहरण के लिए सदाभाऊ खोट को स्वाभिमानी सेतकारी संगठन (एसएसएस) के प्रेसिडेंट राजू शेट्टी का विश्वासपात्र और उनका पुराना सहयोगी माना जाता था। वह देवेंद्र फडणवीस सरकार में एसएसएस कोटे से मंत्री भी बने थे। हालांकि 2017 में सदाभाऊ एसएसएस से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो गए। शेट्टी के समर्थक दावा करते हैं कि बीजेपी के संपर्क में आने के बाद सदाभाऊ का पार्टी को लेकर रवैया बदल गया था और उन्हें पाला बदलने में ज्यादा समय नहीं लगा। इससे नाराज शेट्टी ने इसके तुरंत बाद केंद्र और राज्य की बीजेपी-शिवसेना सरकार से खुद को

मुलुंड में मराठी बनाम गुजराती की चुनौती

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से मुलुंड विधानसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सर्वाधिक सुरक्षित सीटों में से एक मानी जाती है। इसलिए यहां से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील का नाम भी उम्मीदवारी के लिए चल रहा था। पिछले 20 साल से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सरदार तारा सिंह करते आ रहे हैं। उम्र के कारण उनका टिकट काटकर भाजपा ने मिहिर कोटेचा को उतारा है। गुजराती सांसद और उस पर गुजराती को विधानसभा की उम्मीदवारी देने से मराठी बनान गुजराती हो चला है। वैसे, हालिया लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के मनोज कोटक को 1,27,667 वोट जबकि दूसरे नंबर पर रहने वाले कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के उम्मदीवार संजय पाटील को 40,484 वोट मिले। अब संजय पाटील राकांपाई से शिवसैनिक बन गए हैं।

सन 1990 में पहली बार यहां से भाजपा के वानमराव परब ने विधानसभा चुनाव जीता। उसके बाद इस विधानसभा पर भाजपा का कमल ही खिलता रहा है। किरीट सोमैया 1995 में विधायक चुने गए। 1984 से लगातार नगरसेवक चुने जाते रहे सरदार तारा सिंह 1999 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने यहां के मतदाताओं को मोह लिया। मुलुंड विधानसभा में शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र अछूता रहा हो, जहां सरदार तारा सिंह के विकास कार्य का बोर्ड न दिखाई दे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ब्याज समेत मिलेगा मुआवजा

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गठबंधन बीजेपी से नहीं तो क्या आर्टिकल 370 के खात्मे की विरोधी कांग्रेस से करते: उद्धव

मुंबई। शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा है कि क्या शिवसेना को बीजेपी की बजाय कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए था, जिसने आर्टिकल 370 को हटाने और राजद्रोह कानून का विरोध किया है। इस मौके पर उन्होंने इशारों ही इशारों में बीजेपी को भी नसीहत दे दी। उन्होंने कहा कि शिवसेना को धोखा देने की हिम्मत कभी ना करें। ठाकरे मंगलवार शाम को शिवसेना की परंपरागत वार्षिक दशहरा रैली को संबोधित कर रहे थे।

उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा, 'सरकार के अगले अजेंडे में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और समान नागरिक संहिता को लाना होना चाहिए।' उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर निर्माण के लिए विशेष कानून लाने की भी मांग की। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी को नहीं तो क्या हमें कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए था? जिसने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को रद्द करने और राजद्रोह कानून का विरोध किया है।

'एसपी-बीएसपी नहीं है

बीजेपी-शिवेसना का गठबंधन'

पार्टी चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा, 'बीजेपी-शिवसेना गठबंधन वास्तविक है। यह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (एसपी) और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के गठजोड़ की तरह नहीं है, जो सिर्फ सत्ता के लालच पर आधारित था इसलिए लोगों ने उन्हें खारिज कर दिया।' महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव ने कहा कि शिवसैनिकों को धोखा देने की कभी हिम्मत न करें। उनका इशारा बीजेपी की तरफ था। धनगर जाति को आरक्षण का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना धनगर जाति को आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि हम भारत से प्रेम करने वाले मुस्लिमों के अधिकारों के लिए लड़ेंगे।

370 पर शाह की प्रशंसा

उद्धव ठाकरे ने आर्टिकल 370 को समाप्त करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री और बीजेपी के अध्यक्ष अमित शाह की प्रशंसा की। उद्धव ने अमित शाह को एक ऐसा व्यक्ति करार दिया, जो अपने वादों को पूरा करते हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, अमितभाई जो कहते हैं, उसे करते हैं। आर्टिकल 370 समाप्त होने से बालासाहेब ठाकरे का सपना पूरा हुआ है। अब हम समान नागरिक संहिता चाहते हैं।

'महाराष्ट्र के हित में कम सीटों पर समझौता किया'

इससे पहले 'सामना' को दिए एक इंटरव्यू में उद्धव ठाकरे ने गठबंधन में कम सीटें मिलने के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। ठाकरे ने कहा, 'हमने पिछले पांच साल में कभी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश नहीं की। गठबंधन में दोनों पार्टियों को ध्यान रखना चाहिए। बेवजह स्पीड बढ़ाने से ऐक्सिडेंट हो सकता है। मैंने महाराष्ट्र के हित में समझौता किया। मुझे पूरा भरोसा है कि हम अगले पांच साल के लिए राज्य को बेहतर प्रशासन और सरकार दे पाएंगे।'

10 लाख की कोकेन के साथ नाइजीरियन गिरफ्तार

मुंबई। पालघर क्राइम ब्रांच की वसई यूनिट ने रविवार देर रात विरार (पूर्व) के मनवेलपाडा इलाके में 10 लाख रुपये की कोकेन के साथ एक नाइजीरियन युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस एनडीपीएस के तहत मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की वसई यूनिट को रात डेढ़ बजे गुप्त सूचना मिली कि मनवेलपाडा स्थित मोहक सिटी के पास एक नाइजीरियन युवक कोकेन बेचने आने वाला है।

सूचना के बाद वसई यूनिट ने जाल बिछाकर चिमा इबे इक्वे (26) को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 100 ग्राम कोकेन जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

कांग्रेस और एनसीपी भविष्य में साथ आएंगे: सुशील शिंदे

पुणे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) भविष्य में साथ आएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार एक ही पेड़ के नीचे (कांग्रेस में ही) बड़े हुए हैं, हालांकि पवार खुलेआम इस पर बात नहीं करते हैं।

पश्चिमी महाराष्ट्र के अपने गृह जिले सोलापुर में एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए शिंदे ने कहा, भले ही कांग्रेस और एनसीपी दो अलग-अलग पार्टियां हैं लेकिन आज मैं आपको यह कहना चाहूंगा कि भविष्य में हम एक-दूसरे के करीब आएंगे क्योंकि अब वे भी थक गए हैं और हम भी थक गए हैं। शिंदे ने खुद के और पवार के बारे में कहा कि वह एनसीपी नेता से सिर्फ साढ़े आठ महीने छोटे हैं और एक ही पेड़ के नीचे बड़े हुए हैं और इंदिरा गांधी तथा यशवंतराव चव्हाण के नेतृत्व में आगे बढ़े हैं।

शिंदे ने कहा, इसलिए हमारे दिल और उनके दिल में भी अफसोस है, एक ही भावना है। बस इतना फर्क है कि पवार इसके बारे में बोलते नहीं हैं लेकिन समय आएगा जब वह इस बारे में बात करेंगे। पवार ने मई 1999 में कांग्रेस छोड़ दी थी और एनसीपी की स्थापना की।

सीआईएसएफ ने चंदन तस्कर को मुंबई एयरपोर्ट से किया अरेस्ट

मुंबई। विदेशी मुद्रा और गोल्ड की तस्करी के लिए चर्चित मुंबई एयरपोर्ट अब चंदन तस्करों का भी पसंदीदा एयरपोर्ट बन गया है। 30 दिनों के भीतर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने मुंबई एयरपोर्ट से करीब 129 किलो चंदन की लड़की जब्त की है। इसकी कीमत 12 से 15 लाख रुपये आंकी गई है। चंदन तस्करी के 4 अलग-अलग मामलों में उकरत्रू ने अब तक 5 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ताजा मामले में मंगलवार को मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट से दो विदेशी नागरिकों को चंदन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से 25 किलो चंदन की लकड़ी बरामद की गई है।

सीआईएसएऊ प्रवक्ता हेमेंद्र सिंह के अनुसार, यात्रियों की प्रोफाइल के मुताबिक रैंडम चेकिंग के लिए सूडान के दो नागरिकों को टर्मिनल 2 के गेट नंबर 6 के करीब रोका गया। उनके बैग की जांच के दौरान 25 किलो चंदन की लकड़ी बरामद हुई। ये दोनों यात्री इथोपियन एयरवेज की विमान संख्या ईटी-641 से अदीस अबाबा जाने की फिराक में थे। एक महीने के दौरान उकरत्रू ने चंदन तस्करी के 4 प्रयासों को असफल किया है। चारों ही मामलों में सूडान के नागरिकों के लिप्त होने की बात सामने आई है। 4 अक्टूबर को मुंबई एयरपोर्ट पर चंदन तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में सूडान के दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से 87 किलो चंदन बरामद किया गया। 10 सितंबर को 17 किलो चंदन के साथ सूडान के नागरिक अल्जैन मुस्तफा सलीम को हिरासत में लिया गया था। सितंबर महीने में मुंबई पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत 1.40 टन चंदन की लकड़ी जब्त की थी। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत साढ़े 7 से 8 करोड़ रुपये के बीच आंकी गई थी।

समझा-बुझाकर कचरे की समस्या हल कराएगी बीएमसी

मुंबई। सोसायटियों के कचरे को वहीं खत्म करने की भूमिका को बीएमसी समझा बुझाकर हल करना चाहती है, ताकि डंपिंग ग्राउंड का भार कम हो सके और स्वच्छ भारत रैंकिंग में मुंबई का रैंक सुधर सके। पिछले दिनों बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने अधिकारियों को इस संदर्भ में निर्देश दिए। बैठक में, अडवांस लोकेलिटी मैनेजमेंट (एएलएम) के सहारे इस दिशा में काम आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

कई इलाकों में एएलएम संगठन के जरिए क्षेत्र के लोग आपस में जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान निकालते हैं। ऐसे में, एएलएम को साथ लेने पर सोसायटियों को समझाने में आसानी होने की बीएमसी को उम्मीद है। एएलएम को प्रोत्साहित करने के लिए उनकी शिकायतों पर विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया गया है। कचरे के वर्गीकरण से गीले कचरे पर प्रक्रिया का रास्ता खुल जाएगा। जाहिर है मुंबई में रोज पैदा होने वाले कचरे का एक बड़ा हिस्सा गीले कचरे के रूप में होने से डंपिंग ग्राउंड का बढ़ रहा बोझ कम होना तय है। हालांकि, जरूरी है कि हर घर से कचरा अलग-अलग करके ही बाहर आए। सूखा कचरा भी अलग होने पर रद्दी वाले के माध्यम से उसका फिर से इस्तेमाल हो सकता है। पिछले दो सालों से बीएमसी सोसायटियों को कचरा अलग-अलग कर जमा करने की अपील कर रही है। बड़े कचरा उत्पादकों पर तो प्रक्रिया का पालन न करने पर जुमार्ना भी लगाया जा चुका है।

मुंबई में वाशी स्टेशन पर लोकल ट्रेन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई के वाशी रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक लोकल ट्रेन में आग लग गई। यह ट्रेन सीएसटी से पनवेल के लिए जा रही थी। आग लगने के तुरंत बाद स्टेशन पर बिजली सप्लाइ बंद कर दी गई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

सेंट्रल रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक डाउन लोकल में वाशी स्टेशन पर आग लगने से हार्बर लाइन ट्रेनें प्रभावित रहीं। आग लगने की जानकारी मिलते ही यहां स्टेशन पर हड़कंप मच गया। हालांकि सेंट्रल रेलवे ने कहा है कि मामूली आग की लपटों को ट्रेन से निकलते हुए देखा गया और जल्द ही कर्मचारियों द्वारा इसे बुझा दिया गया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आग की जानकारी मिलते ही मुंबई और पनवेल के बीच लोकल ट्रेनों की सेवाओं को रोक दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि आग पर काबू पाने के बाद अब सभी सेवाएं सामान्य रूप से कार्य कर रही हैं। उधर, हादसे का एक विडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि ट्रेन में आग लगने से स्टेशन पर हड़कंप मच गया है। कर्मचारी जहां आग बुझाने में जुटे रहे, वहीं कुछ यात्रियों ने इसका विडियो बनाकर वायरल कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल स्थिति काबू में है और सेवाएं शुरू हो गई हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
10 अक्टूबर, 2019

फिर रुला सकता है प्याज

किसानों के विरोध से आया थोक दाम में उछाल

मुंबई। किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते मंडियों में प्याज और टमाटर की आपूर्ति में काफी अड़चन आ रही है। इस वजह से नवरात्र के बाद एक बार फिर प्याज और टमाटर के दामों में इजाफा हो गया है। एशिया की सबसे बड़ी आजादपुर मंडी में प्याज 35 से 45 रुपये प्रति किलोग्राम और टमाटर 50 से 55 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है। जब ये प्याज थोक मंडी से रिटेल बाजार में जाती है, तो इसके दाम 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम हो जाते हैं। वहीं टमाटर रिटेल मार्केट में इन दिनों 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है।

प्याज का कारोबार करने वाले कारोबारी राजेंद्र शर्मा की मानें तो नवरात्र के वक्त नॉर्थ इंडिया में प्याज की खपत कम होती है, जिसके कारण प्याज के दामों में नवरात्र के दिनों में 5 से 7 रुपये की गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन एक बार फिर नवरात्रि खत्म होने के साथ ही प्याज के दाम में तेजी आ गई है। प्याज की कीमत में यह तेजी 15 से 20 दिनों तक बरकरार रहेगी। खबर के मुताबिक मंडियों में अभी नासिक और मध्य प्रदेश की प्याज आ रही है और 15 से 20 दिन में राजस्थान की

नवरात्र के बाद एक बार फिर प्याज और टमाटर के दामों में जबदस्त इजाफा देखने को मिला है। रिटेल बाजार में प्याज 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम और टमाटर 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है।

प्याज मंडी में उतरेगी। इसके बाद ही प्याज के दामों में कमी होगी। प्याज के दाम बढ़ने के पीछे की सबसे बड़ी वजह यह है कि साउथ इंडिया के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते फसल बर्बाद हो रही है। इस वजह से प्याज के दामों में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है। यही हाल टमाटर का भी है। आजादपुर मंडी में टमाटर का कारोबार करने वाले महावीर चौहान के मुताबिक मंडी में टमाटर बेंगलुरु और मध्य प्रदेश से आता है, लेकिन लगातार हो रही बारिश के चलते फसल खराब हो रही है। इस वजह से टमाटर के दाम में इजाफा हुआ है। हालांकि करीब 15 दिन में टमाटर के दाम कम होने के आसार हैं

नासिक में किसानों का प्रदर्शन

इसके अलावा महाराष्ट्र के नासिक जिले में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके चलते भी मंडियों में प्याज की आपूर्ति में काफी अड़चन आ रही है। इसकी वजह से भी प्याज की कीमत बढ़ी है। सोमवार को नासिक के लासलगांव मंडी में प्याज की कीमत 37।29 रुपये प्रति किलो रही। यह एशिया की सबसे बड़ी हाजिर प्याज बाजार है। मंगलवार को दशहरे की वजह से बाजार बंद थे। लासलगांव में प्याज की आपूर्ति में 137 टन तक की गिरावट आई है, जो इस साल का सबसे कम स्तर है। स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के एक नेता बताया, कई छोटे किसान समूह प्याज होल्डिंग की सीमा तय करने और निर्यात पर रोक लगाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर उतर आए हैं।

क्यों बिगड़ी हालत: कृषि पैदावार विपणन समिति के चेयरमैन जयदत्त सीताराम होल्कर ने कहा, प्याज आपूर्ति की स्थिति अब काफी बदल गई है। किसानों के पास अब पिछले सीजन का बहुत कम प्याज बचा है। बहुत ज्यादा बारिश और मॉनसून लंबा खिंचने से इस बार के पैदावार को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बाजार में अभी जो प्याज आ रहा है उसकी गुणवत्ता भी खराब है। प्याज की कीमतें पहले से ही काफी ज्यादा हो गईं हैं, इसलिए अब किसानों के पास दाम और बढ़ाने की गुंजाइश भी ज्यादा नहीं है। जनवरी में थोक बाजार में प्याज की कीमत सिर्फ 3 से 4 रुपये प्रति किलो थी जो जुलाई में बढ़कर 15 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई। लेकिन इस साल मॉनसून लेट आया और नए प्याज की बुवाई में देरी हुई, जिसकी वजह से प्याज की कीमत लासलगांव में 45 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई और फुटकर कीमत देश के कई हिस्सों में 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई।

सरकार ने क्या कदम उठाए: प्याज की कीमत में लगातार बढ़त की वजह से सरकार ने 15 सितंबर को इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ा दिया। इसके बाद प्याज के भंडारण की सीमा तय कर दी गई और निर्यात पर भी रोक लगा दी गई। थोक कारोबारियों के लिए 50 टन और फुटकर दुकानदारों के लिए 10 टन प्याज रखने की सीमा तय की गई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

संजय निरुपम बोले...

समस्या यह है कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी नास्तिक हैं लेकिन कांग्रेस में हर कोई नास्तिक नहीं है। दरअसल, देश के लिए पहला राफेल लेने गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस में दशहरे के मौके पर शस्त्र पूजन किया और राफेल में उड़ान भरी। राजनाथ सिंह के शस्त्र पूजन पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे तमाशा करार दिया। खड़गे ने कहा कि ऐसा तमाशा करने की जरूरत नहीं थी। जब हमने (यूपीए) ने बोफोर्स तोप खरीदी थी को हमने इस तरह का दिखावा नहीं किया था। हमारे शासनकाल में कोई भी नेता या मंत्री इसे लाने विदेश नहीं गया था। इस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह ने राफेल की शस्त्र पूजा की, लेकिन कांग्रेस देश की इस परंपरा से खुश नहीं हुई। कल विजयादशमी थी, जो बुराई पर अच्छाई की प्रतीक है और यह शस्त्र पूजन करके मनाई जाती है।

तीनों ओबीसी चेहरे सीन से बाहर

अब महाराष्ट्र की सियासी जमीन पर एक बार फिर बीजेपी ने कमल खिलाने के लिए ओबीसी दांव चला है। बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओबीसी को साधने की कमान संभाली है और उन्होंने मंगलवार को महाराष्ट्र के बीड में कहा, पिछली सरकारें बीते 70 वर्षों के दौरान अन्य पिछड़े वर्ग के लिए कुछ नहीं कर सकीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही संवैधानिक ढांचे के माध्यम से पिछड़े वर्ग के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए ओबीसी आयोग का गठन किया। महाराष्ट्र में बीजेपी के तीन प्रमुख ओबीसी नेता गोपीनाथ मुंडे, एकनाथ खडसे और विनोद तावड़े माने जाते थे, जो ओबीसी के वोट को लेकर पार्टी में आए थे। ये तीनों ओबीसी नेता अलग-अलग कारणों से इस बार के विधानसभा चुनाव में सीन से बाहर हैं। यही वजह है कि खुद ही अमित शाह ने ओबीसी को साधे रखने की कवायद शुरू की है। महाराष्ट्र में ओबीसी नेता नितिन चौधरी ने कहा कि ओबीसी वर्ग के विभिन्न समुदायों में एक सशक्त नेटवर्क के नहीं होने के चलते वे सब एक मंच पर नहीं हैं, ज्यादातर नेताओं का आधार महज अपनी जातियों में है। लेकिन बदले हुए राजनीतिक माहौल में ओबीसी का बीजेपी में भले ही कोई चेहरा न हो, लेकिन वोटर और कार्यकर्ता बीजेपी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र की सियासत में ओबीसी एक बड़ी ताकत है, लेकिन मराठा वर्चस्व की राजनीति के चलते उन्हें वो सियासी मुकाम नहीं मिल सका। यही वजह है कि इतनी बड़ी आबादी होने के बाद भी महाराष्ट्र में एक भी सीएम ओबीसी समुदाय से नहीं बना। जबकि, महाराष्ट्र बीजेपी का राजनीतिक आधार मजबूत होने में ओबीसी समुदाय की अहम भूमिका रही है, जिसमें गोपीनाथ मुंडे ने अहम किरदार निभाया था। वह महाराष्ट्र में बीजेपी का चेहरा माने जाते थे, लेकिन 2014 में कार दुर्घटना में उनका निधन हो गया। मुंडे के बाद एकनाथ खडसे और विनोद तावड़े बीजेपी का सबसे बड़ा ओबीसी चेहरा बनकर महाराष्ट्र में उभरे। बीजेपी के ये दोनों नेता काफी कद्दावर माने जाते थे, लेकिन पार्टी ने इस बार दोनों नेताओं को चुनावी मैदान में नहीं उतारा है। बीजेपी ने एकनाथ खड़से की जगह उनकी बेटी को टिकट दिया है। वहीं, विनोद तावड़े के बारे में ऐसा कहा जा रहा कि उन्हें पूरी तरह से साइडलाइन कर दिया गया है। इस तरह से चुनावी मैदान में बीजेपी की ओर से ओबीसी का कोई बड़ा चेहरा नहीं बचा है। सियासी नब्ज को देखते हुए कभी मराठी भाषा और अस्मिता के मुद्दों पर लड़ने वाली शिवसेना इस चुनाव में विभिन्न जातियों के वोट बटोरने के प्रयास में है। शिवसेना ने ओबीसी समुदाय को साधने अपने पाले में लाने की कवायद शुरू कर दी थी। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीते दिनों पिछड़ा वर्ग के धनगर, घुमंतु, कुनबी, बंजारा, तेली, माली और अन्य जातियों के प्रधिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और विश्वास दिलाया कि सरकार में आने पर उनकी हर समस्या सुलझाएंगे। हालांकि ऐसे में देखना होगा कि महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना की कोशिशों के बीच ओबीसी समुदाय की पहली पसंद कौन बनता है।

सुपरस्टार धर्मेंद्र को हुआ डेंगू

खबर के मुताबिक, धर्मेंद्र को तीन दिन के लिए हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। अब जब उनकी तबियत में थोड़ा सुधार नजर आया तो डॉक्टर्स ने सोमवार शाम को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया। वो अपने बड़े बेटे सनी देओल के साथ थे। वहीं ऐसी खबरें थीं कि धर्मेंद्र अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीधे लोनावाला स्थित अपने फार्महाउस जाएंगे। धर्मेंद्र अपने फार्महाउस पर जाना पसंद करते हैं और वहां काफी समय बिताते हैं। हालांकि, सोर्स के मुताबिक, वो घर पर आराम करेंगे और अब तक फार्महाउस में नहीं जाएंगे। जब तक वो ठीक नहीं हो जाते। वर्क फ्रंट पर धर्मेंद्र ने अपना करियर 1960 में रिलीज फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से किया था। अपने 50 साल के करियर में उन्होंने 200 फिल्में की हैं। धर्मेंद्र ने शोले, चुपके-चुपके। धरमवीर, प्रतिज्ञा, यादों की बारात जैसे कई हिट फिल्में दी हैं। धर्मेंद्र आखिरी बार मूवी यमला पगला दीवाना: फिर से में नजर आए थे। इस फिल्म में सनी देओल और बॉबी देओल भी थे। ये फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। बता दें कि हाल ही में धर्मेंद्र ने अपने पोते करण देओल की फिल्म पल पल दिल के पास के प्रमोशन किया था। वो पल पल दिल के पास की स्क्रीनिंग में भी नजर आए थे।

शिवसेना प्रत्याशी हिंदू इलाके में दीपाली और मुस्लिम क्षेत्रों में सोफिया नाम से प्रचार कर रहीं

मुंब्रा-कलवा से शिवसेना प्रत्याशी का मूल नाम दीपाली भोंसले, शादी के बाद उन्होंने सोफिया सैयद नाम रख लिया

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार जोरों पर है। वोटर्स को लुभाने के लिए प्रत्याशी अलग-अलग तरीका अपना रहे हैं। मुंब्रा सीट से शिवसेना प्रत्याशी दीपाली सैयद भी अलग तरीके से प्रचार कर रही हैं। अपने विधानसभा क्षेत्र के हिंदू इलाकों में वह दीपाली जबकि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में वह सोफिया सैयद बताकर प्रचार कर रहीं हैं। मराठी फिल्मों की हीरोइन दीपाली सैयद का मूल नाम दीपाली भोंसले है। एक साल पहले उन्होंने शादी की। इसके बाद उन्होंने अपना नाम सोफिया रख लिया। हालांकि, उन्होंने दीपाली सैयद नाम से ही नामांकन किया है।

नाम का बड़ा असर पड़ता है: दीपाली

दीपाली कहती हैं, नाम का बहुत बड़ा असर पड़ता है। इसलिए जिस इलाके में जा रही हूं, वैसे ही नाम का इस्तेमाल कर रही हूं। दीपाली ने 2014 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर अहमदनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। इसमें वह हार गई थीं।

मुस्लिम बाहुल्य इलाके में राकांपा का वर्चस्व

मुंब्रा-कलवा विधानसभा क्षेत्र को राकांपा का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में इस सीट पर राकांपा प्रत्याशी जितेंद्र अवध ने शिवसेना प्रत्याशी दशरथ पाटिल को हराया था। इस मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना ने अपनी पैठ बनाने के लिए दीपाली उर्फ सोफिया को मैदान में उतारा है। उनके मैदान में आने एक बाद अब शिवसेना को फिर इस सीट पर अपने कब्जे की उम्मीद है।

30 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं दीपाली

करीब दो दशक से दीपाली मराठी फिल्मों और सीरियल में काम कर रही हैं। वे 30 से ज्यादा मराठी फिल्मों में छोटे-बड़े रोल कर चुकी हैं। 1990 के दशक में लोकप्रिय मराठी धारावाहिक - बंदिनी और समानांतर में अभिनय के बाद उन्होंने बडे पर्दे पर प्रवेश किया था। हालांकि, उन्हें प्रसिद्धि अंकुश चौधरी के साथ फिल्म जात्रा के बाद मिली।

सीट बंटवारे पर बीजेपी ने चला ऐसा दांव

सरेंडर हो गए सारे सहयोगी

महाराष्ट्र में मराठा अस्मिता की सबसे बड़ी अलमबरदार मानने वाली शिवसेना के अस्तित्व को चुनौती कांग्रेस और एनसीपी से नहीं बल्कि बीजेपी से मिल रही है। जबकि, दोनों पार्टियां एक साथ चुनावी रण में किस्मत आजमा रही हैं। इसके बावजूद बीजेपी और शिवसेना के बीच लगातार शह-मात का खेल चल रहा है। बीजेपी ने अपनी रणनीति से शिवसेना को जूनियर पार्टनर की हैसियत के साथ-साथ बाकी छोटे सहयोगी दलों की सीट को भी अपने खाते में कर लिया है। महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन में कहने के लिए कुल पांच पार्टियां शामिल हैं। इसमें बीजेपी, शिवसेना, आरपीआई (ए), आरएसपी और रैयत क्रांति पार्टी शामिल हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवारों की लिस्ट देंखे तो बीजेपी और शिवसेना ही लड़ती नजर आ रही हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे शुरू से 50-50 सीटों शेयरिंग फॉर्मूले को बीजेपी के सामने रख रहे थे। कई दौर की बैठकों के बाद एनडीए में तय हुआ कि महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से शिवसेना 124 सीटों और बीजेपी 150 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी बची 14 सीटों को सहयोगी दलों के लिए छोड़ी गई थी। बीजेपी ने बड़ी चतुराई से शिवसेना को ही नहीं बल्कि बाकी छोटे सहयोगीयों को भी अपने वश में कर लिया है।

ये था बीजेपी का दांव

124 सीटों के साथ खुश शिवसेना को तब झटका लगा, जब उसे पता चला कि बीजेपी ने बाकी सहयोगी दलों की 14 सीटों पर भी अपने प्रत्याशी को उतारने को फॉर्मूले को अमलीजामा पहना दिया है। बीजेपी महाराष्ट्र में इस तरह से 150 नहीं बल्कि 164 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरी है। आरपीआई (अठावले), आरएसपी, शिव संग्राम और रैयत क्रांति पार्टी की कोटे में आई सीटों पर उतरे प्रत्याशी बीजेपी के चुनाव निशान कमल पर किस्मत आजमा रहे हैं। बीजेपी की इस रणनीति से शिवसेना ही नहीं बल्कि सहयोगी दलों के कार्यकर्ता भी कशमकश में नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन से आरपीआई को 6 मिली हैं। मालशिरस सीट से डॉ विवेक गुजर, फलटण सीट से दिगंबर आगावणे, पाथरी सीट से मोहन फड, नायगाव से राजेश पवार, भंडारा से अरविंद भालाधरे को उतारा है। इन प्रत्याशियों के नाम का ऐलान भी 3 अक्टूबर आरपीआई (ए) प्रमुख रामदास अठावले ने किया, लेकिन इनमें से कोई नेता आरपीआई का सदस्य नहीं रहा। मालशिरस सीट से विवेक गुजर का पर्चा रद्द हुआ तो एबीवीपी के नेता राम सातपुते को अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। भले ही अठावले ने इन सभी प्रत्याशी के नामों का ऐलान किया हो, लेकिन ये सभी बीजेपी के टिकट और चुनाव निशान पर मैदान में हैं।

सहयोगियों में नाराजगी

ऐसे ही महाराष्ट्र के मौजूदा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने दौंड विधानसभा से राष्ट्रीय समाज पक्ष के मौजूदा विधायक राहुल कुल को टिकट दिया है।

आधिकारिक रूप से बीजेपी का कहना है कि राहुल को आरएसपी के साथ हुए सीट बंटवारे के तहत टिकट मिला है। इसे लेकर आरएसपी प्रमुख महादेव जंकार नाराज हैं और बीजेपी के रवैये पर आपत्ति जताते हुए इसे धोखा बता रहे हैं। महादेव जंकार दावा किया कि उनका कोई भी कार्यकर्ता बीजेपी के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ेगा। इसी के चलते आरएसपी ने अपने दो उम्मीदवार अलग से चुनावी मैदान में अपने चुनाव निशान पर उतारे हैं। लेकिन ऐसी राजनीतिक हिम्मत आरपीआई (ए) के रामदास अठावले नहीं जुटा सके।

अजित पवार ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष...

चंद्रकांत पाटिल को कहा 'चंपा'

शहर से सटे पिंपरी चिंचवाड़ के पिपरिया में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजीत पवार ने टिकट न मिलने से नाराज चल रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को मिलने और उन्हें मनाने के लिए बुलाया था। इस दौरान कार्यकताओं से अजित पवार ने कहा,मुझे पता है कि पिछले दिनों कुछ गलतफहमियों की वजह से आप लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। लेकिन अब सब ठीक है। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी स्थिति को समझेंगे। कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों ने अजित पवार से उनके बेटे के चुनाव प्रचार से दूर रहने पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा,वह मेरा बेटा है और मैं चाहता हूं कि वे अभी इस राजनीति से दूर रहे। पवार परिवार के लोगों के भाजपा में जाने की अटकलों पर जब उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'चंपा' को पवार परिवार के अलावा दूसरे मुद्दे नहीं दिखते। 'चंपा' कहते ही सभी लोग हंस पड़े और अजीत पवार ने इस बात का खुलासा किया कि 'चंपा' यानि चंद्रकांत पाटील।

कांग्रेस में विलय की अटकलों को खारिज किया: अजित पवार ने कांग्रेस में विलय की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने शिंदे के बयान को उनकी 'निजी राय' करार दिया। पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने मंगलवार को यह कहकर अटकलों को तेज कर दिया था, कि एनसीपी और कांग्रेस एक साथ आएंगे 'क्योंकि वे भी अब थक गए हैं और हम भी थक गए हैं।

केवल नारा देने से काम नहीं चलेगा

एक वो समय था जब हरियाणा की बात करो तो वहां लड़कियों की कम संख्या, महिला विरोधी बातें, और लड़कियों के साथ भेद-भाव की खबरें ही आती थी। लेकिन आज जब हरियाणा की बात होती है तो फोगाट बहनों और साक्षी मलिक की कुश्ती, सायना नेहवाल का बैडमिंटन और मानुषी छिल्लर की खूबसूरती जेहन में आती है। समय के साथ-साथ हरियाणा ने काफी हद तक महिलाओं के प्रति अपनी सोच बदली है। और नतीजा ये है कि पैदा होते ही बच्चियों को मार देने वाले राज्य में लिंग अनुपात में सुधार आ रहा है।

बच्चियां पढ़ाई कर रही हैं, खेलों को अपना रही हैं, करियर बना रही हैं। इस राज्य से ऐसे नाम निकलकर आ रहे हैं जो दुनियाभर में हरियाणा का नाम रौशन कर रहे हैं। लेकिन महिलाओं को लेकर ये बदलाव सिर्फ सामान्य लोगों में नजर आता है, राजनीति में नहीं। हरियाणा राज्य की मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने आने वाले विधानसभा चुनावों में जिस तरह से टिकट वितरण किया है उससे यही लगता है कि इस राज्य में महिलाओं के संघर्ष खत्म होने में अभी और वक्त लगेगो राज्य में सिर्फ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके आगे नहीं। बेटी क्या कर सकती है इसपर अभी भी हमारे राजनेताओं को शक है। इसलिए भाजपा ने वहीं दांव लगाया है जहां जीत की संभावन प्रबल हो उन्होंने इस बार रेसलर बबीता फोगाट और टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट को टिकट दिया है जो दादरी और अदमपुर से चुनाव लड़ेंगी।

अशोक भाटिया

महिलाओं को लेकर अक्सर राजनीतिक पार्टियां महिला हित की बातें करती हैं लेकिन जब चुनाव का समय आता है तो राजनीतिक दल ये साबित कर देते हैं कि उनकी कोई भी बात भरोसा करने लायक नहीं है। महिलाओं को सत्ता में लाए बिना महिलाओं के हित की बातें करना बेमानी लगता है। और जब बात हरियाणा जैसे राज्य की छवि को सुधारने और विकास की हो तो महिलाओं को तो आगे लाना ही होगा। देश में अगर किसी राज्य की मिलाओं ने सबसे ज्यादा पितृसत्ता के दंश झेले हैं तो वो हरियाणा ही है। ऐसे में चुनावों में महिलओं को सम्मानित भागीदारी न देकर एक बार फिर वही गलती दोहराई जा रही है। पर लगता है हारियाणा में महिलाओं पर सिर्फ एक ही अहसान हो रहा है कि अब महिलाओं के लिए हरियाणा सांस लेने लायक हो गया है। लेकिन अगर आप इससे ज्यादा की उम्मीद करते हैं तो हरियाणा उतना भी नहीं बदला। यानी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' लेकिन चुनाव मत लड़वाओ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धौलपुर में मूर्ति विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा, दस लोगों की डूबने से मौत

धौलपुर, राजस्थान। राजस्थान के धौलपुर जिले में मंगलवार को दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के दौरान पार्बती नदी में कम से कम दस लोगों के डूबने से मौत हो गई। अब तक प्रशासन ने नदी से दस शव निकाल लिए हैं, वहीं कई लोगों की अब भी तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, ये दर्दनाक हादसा महंदपुरा गांव के भूरा घाट पर हुआ। दरअसल, दशहरे के दिन गांव के लोग दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान एक लड़का नदी में नहाने के लिए कूद गया। लेकिन तेज बहाव और पानी गहरा होने के लिए चलते वो डूबने लगा। उसे बचाने के लिए कुछ और लोग नदी में कूदे,

लेकिन वो भी डूब गए।

धौलपुर कलेक्टर राकेश जायसवाल ने ये जानकारी दी थी कि इस हादसे में दस लोग नदी में डूब गए हैं। जिसमें से सात के शव मंगलवार को ही बरामद कर लिए गए थे। रात का वक्त होने के चलते सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था और बुधवार को दोबारा तलाशी अभियान चलाया जाएगा। इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने बताया कि दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के दौरान एक लड़का नदी में नहाने के इरादे से कूदा, लेकिन वो डूबने लगा। उसे बचाने के लिए कुछ और लोगों ने छलांग लगाई लेकिन वो भी नदी में डूब गए।

जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचीं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। हालांकि रात होने के चलते राहत और बचाव कार्य में परेशानी आने लगी। इसी के चलते प्रशासन ने बुधवार सुबह दोबारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और नदी में से कुछ और शव बरामद किए।

आसाराम की याचिका खारिज, अंतिम सांस तक जेल में ही रहना होगा

जोधपुर। अपनी शिष्या से दुष्कर्म का दोषी ठहराए जाने के बाद जोधपुर जेल में कैद आसाराम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोमवार को आसाराम की ओर से सजा स्थगन याचिका दायर की गई थी, जिसे जोधपुर हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। यानी अब पूर्व के आदेश के मुताबिक, आसाराम को अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा।

आसाराम जोधपुर जेल में कैद है। इस याचिका के खारिज होने का मतलब है कि अब आसाराम की जेल से बाहर निकलने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं। मालूम हो, नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के मामले में आसाराम सजा काट रहा है। आसाराम की सजा स्थगन की याचिका पर सोमवार उसकी ओर से मुंबई के वकील एस. गुप्ते पेश हुए। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस वीके माथुर की खंडपीठ में उन्होंने पीड़िता की उम्र पर सवालिया निशान लगाते हुए उसे बालिग बताने की कोशिश की। एस. गुप्ते ने कोर्ट के सामने दलील देते हुए सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले पेश किए। हालांकि खंडपीठ ने उनकी दलीलों पर असहमति जताते हुए पीड़िता के स्कूल रिकॉर्ड में दर्ज उम्र को सही माना। इसके बाद खंडपीठ ने आसाराम की याचिका को खारिज कर दिया। इस बीच, आसाराम के ओर से इस सजा के खिलाफ एक अन्य याचिका दायर की गई है। इस याचिका को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने के आसाराम के अनुरोध पर हाई कोर्ट ने आंशिक राहत प्रदान करते हुए जनवरी के दूसरे सप्ताह में सुनवाई की तिथि तय कर दी।

सलमान को मारने की धमकी देने वाला और साथी पकड़ा गया

जोधपुर। फिल्म अभिनेता सलमान खान को 26 सितंबर को फेसबुक पर धमकी देने वाला शातिर बदमाश पुलिस की पकड़ में आ गया है। सस्ती लोकप्रियता और अपना रूतबा बढ़ाने के लिए उसने ऐसा किया था। वही उसके एक साथी को भी पुलिस ने कार चोरी मामले में हिरासत में लिया है।

जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने सलमान को धमकी देने वाले बदमाश सहित उसके एक साथी को गिरफ्तार कर किया है। कार चोरी के मामले की जांच के दौरान ये आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए, जिनको कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया गया। चौहाबो थानाधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों में कुड़ी थाना इलाके के फिटकासनी निवासी जैकी उर्फ लॉरेंस बाबल पुत्र खुमाराम विश्नोई तथा फिटकासनी निवासी जगदीश पुत्र हरीराम विश्नोई हैं। बदमाशों ने रूतबे के लिए शहर से 2

गाड़ियां चोरी की थीं, जिनमें पुलिस ने चोरी की गई दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है।

थानाधिकारी प्रवीण आचार्य ने बताया कि सलमान को एफबी पर धमकी भरी पोस्ट लिखने वाला आरोपी जैकी विश्नोई था। उसने आसपास के इलाकों में उसके नाम से खौफ के साथ रूतबा बना रहे इसलिए उसने सलमान खान को धमकी की पोस्ट लिखी थी। इसके बाद शेयर करने के बाद उसे तेजी से वायरल भी करवा दिया। उस आरोपी पर मादक पदार्थों की तस्करी व वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियो से पूछताछ जारी है। पुलिस के उम्मीद है कि उनके आरोप कारनामे सामने आ सकते हैं।

एपीएन कालेज के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष को दिन दहाड़े मारी गोली तनाव

गोरखपुर। बस्ती जिले के एपीएन पीजी कालेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य नारायण तिवारी कबीर को बुधवार को शहर के मालवीय रोड स्थित अग्रवाल भवन परिसर में गोली मार दी गई। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल कबीर को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां स्थिति नाजुक देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया।

घटना से आक्रोशित भाजपा नेताओं व आम लोगों ने जिला अस्पताल के पास सड़क जाम कर दिया है। आक्रोशित लोगों ने घटना के लिए पुलसि को जिम्मेदारी बताया है। बताया जा रहा है कि दो युवक बाइक पर सवार होकर कोतवाली क्षेत्र में स्थित अग्रवाल भवन परिसर में पहुंचे। जब तक लोग कुछ समझ पाते एक युवक ने तमंचे से कबीर पर फायल कर दिया। कबीर ने बचने की कोशिश की तो गोली उनके हाथ को छूते हुए सीने ने जा लगी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े।

एक युवक मौके पर ही पकड़ा गया। दूसरा भागते समय पिकौरा शिव गुलाम मोहल्ले में एक व्यक्ति के घर में घुस गया जिसे भीड़ ने दबोच लिया। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। भीड़ को शांत करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला अस्पताल मार्ग को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया गया है। शहर में चौकसी बढ़ा दी गई है।

केजरीवाल को विदेश दौरे की इजाजत नहीं देने पर भड़की आप, केंद्र पर लगाया भेदभाव का आरोप

नई दिल्ली। विदेश दौरों को लेकर दिल्ली की आप सरकार की केंद्र की भाजपा सरकार से शुरू से ही शिकायत रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद अब तक केवल दो बार विदेश दौरे पर केजरीवाल गए हैं। सितंबर 2016 में तत्कालीन उपराज्यपाल नजीब जंग ने डेढ़ साल पुरानी आप सरकार के मंत्रियों, निजी स्टाफ और अन्य अधिकारियों की ओर से किए गए विदेश दौरों का ब्योरा मांगा था।

उन्होंने उस समय यात्रा का कारण, किस देश की यात्रा की गई, यात्रा की अवधि और किस श्रेणी के तहत यात्रा की गई की जानकारी मांगी थी। उस समय कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन ने वेटिकन सिटी का दौरा किया था।

दिल्ली में सरकार बनने के बाद केजरीवाल का वह पहला विदेश दौरा था। केजरीवाल वहां 4 सितंबर 2016 को मदर टेरेसा को संत घोषित किए जाने वाले कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उस समय उपराज्यपाल के निर्देश को लेकर सरकार के मंत्री नाराज हुए थे।

अनौपचारिक तौर पर उस समय यह भी कहा जा रहा था कि कुछ गड़बड़ी मिलती है तो दौरा करने वाले मंत्रियों से दौरे की राशि वसूली जाएगी। हालांकि बाद में ऐसा कुछ नहीं हुआ और न ही कोई गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद में केजरीवाल सितंबर 2018 में तीन दिनों की विदेश यात्र पर दक्षिण कोरिया गए थे। वहां पर सियोल मेट्रोपॉलिटन गवर्नमेंट के साथ ट्विन सिटी एग्रीमेंट साइन किए थे।

उधर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को डेनमार्क जाने की अनुमति नहीं मिलने पर आम आदमी पार्टी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। (आप) से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा है कि मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि मोदी सरकार क्यों हमारे साथ ऐसा अन्यायपूर्ण व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा है कि सीएम केजरीवाल छुट्टी मनाने के लिए डेनमार्क नहीं जा रहे थे। एशिया के 100 शहरों के मेयरों से प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लड़ने के तरीकों के विषय में चर्चा करने जा रहे थे।

पुष्पेंद्र यादव एनकाउंटर पर गमार्यी सियासत, अखिलेश यादव आज जा रहे झांसी

लखनऊ। झांसी में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए पुष्पेंद्र यादव को लेकर योगी सरकार की घेराबंदी तेज हो गई है। पुष्पेंद्र के परिवारीजन से मिलने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को झांसी जिले में स्थित उसके गांव कारगुआ खुर्द रवाना हो गए हैं। अखिलेश पुष्पेंद्र के परिवारीजनों को सांत्वना देंगे। इसके बाद वह सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे और गुरुवार को लखनऊ वापस रवाना होंगे।

मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने आरोप लगाया है कि सरकार की ठोंको नीति के चलते पुलिस बेकाबू हो गई। अपराध रोकने में नाकाम पुलिस निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर आतंक फैलाने में लगी है। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के नाम पर निर्दोष युवाओं को गोलियों का शिकार बनाया जा रहा है।

राजनीतिक दलों का आरोप है कि एनकाउंटर के नाम पर विशेष वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। पुष्पेंद्र मुठभेड़ कांड की उच्चस्तरीय जांच कराने व दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। कांग्रेस ने तो भाजपा शासनकाल में हुई सभी पुलिस मुठभेड़ों की सीबीआइ जांच तक कराने की मांग कर दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से पहले प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) की सात सदस्यीय टीम आठ अक्टूबर को पुष्पेंद्र के ग्राम करगुआ जिला झांसी जाकर उनके परिवारीजन से मिला। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के पुत्र और महासचिव आदित्य यादव के अलावा पूर्व मंत्री शारदा प्रताप शुक्ला, रामनरेश यादव, सुंदर लाल लोधी, वीरपाल सिंह यादव, दीपक मिश्रा, चौधरी छत्रपाल सिंह यादव, विष्णुपाल सिंह उर्फ नन्हू राजा व जर्रार हुसैन भी शामिल थे।

देश-विदेश से पर्यटकों को कश्मीर लाने को सरकार चलाएगी 'बैक टू वैली'

देश-विदेश से पर्यटकों को कश्मीर की ओर लाने के लिए बैक-टू-वैली (घाटी की ओर) कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसकी शुरूआत इसी साल नवंबर से होगीकेंद्र सरकार खुद संभालेगी कमान

श्रीनगर। देश-विदेश से पर्यटकों को कश्मीर की ओर लाने के लिए बैक-टू-वैली (घाटी की ओर) कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसकी शुरूआत इसी साल नवंबर से होगी। इसका मकसद आतंकियों और अलगाववादियों की धमकियों के चलते बंद से तबाह हो रहे कश्मीर के पर्यटन उद्योग को फिर से पटरी पर लाना है। बड़ी बात यह है कि इसका जिम्मा खुद केंद्र सरकार संभालने जा रही है।

दरअसल, पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्यों में विभाजित करने के फैसले से दो दिन पहले राज्य सरकार ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए देश-विदेश के पर्यटकों को कश्मीर से लौटने के लिए कहा था। इसके साथ ही वादी पर्यटकों से खाली हो गई। बड़ी बात यह कि कश्मीर में हालात सुधरने और प्रशासनिक पाबंदियों को हटाए जाने के बावजूद पर्यटक इधर की ओर रुख नहीं कर रहे हैं।

अलगाववादियों और आतंकियों द्वारा जबरन बंद से भी पर्यटक आशंकित हैं। हालत यह है कि कश्मीर में पर्यटन उद्योग लगभग तबाही के कगार पर पहुंच गया है। अधिकांश होटल बंद हैं और उनमें काम करने वाले लोग बेरोजगार। रेस्तरां भी बंद हैं, टैक्सी चालक घरों में बैठे हैं, हाउस बोट खाली हैं। दस्तकारी क्षेत्र से जुड़े लोग भी इसके शिकार हैं इसके बाद ही केंद्र सरकार ने स्थानीय पर्यटन जगत की बेहतरी के लिए यह पहला बड़ा प्रयास किया है।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय इस कार्यक्रम को राज्य पर्यटन विभाग के साथ मिलकर चलाएगा। इस कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत कार्यक्रमों में राज्य के सभी छुए-अनछुए क्षेत्रों को देश और विदेश में प्रचारित किया जाएगा। इनमें राज्य की बहुरंगी संस्कृति की झलक दिखाई जाएगी। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने फेडेरशन ऑफ इंडियन टूर एंड ट्रेवल एसोसिएशन को भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कहा है।कश्मीर में कितने पर्यटक आए, पर्यटन विभाग को पता नहींउपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक दो अगस्त तक कश्मीर घाटी में 5.21 लाख पर्यटकों के अलावा 3.40 लाख अमरनाथ श्रद्धालु आए थे। अकेले जुलाई में ही 1.70 लाख पर्यटक आए।

हालांकि, 15 अगस्त के बाद कश्मीर में पर्यटकों की आमद हुई है, लेकिन आंकड़ा दो हजार भी पार नहीं हुआ। हालांकि, इनमें करीब 300 विदेशी पर्यटक जरूर शामिल हैं। दिलचस्प है कि पर्यटन विभाग के पास कश्मीर में पर्यटकों की आमद का कोई ब्योरा नहीं है।

विदेशों में भी होंगे रोड शो

राज्य पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार के बैक टू वैली कार्यक्रम के तहत न सिर्फ देश के विभिन्न हिस्सों में, बल्कि विदेशों में भी रोड शो व अन्य कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम उन्हीं जगहों पर होंगे, जहां से हमें पर्यटकों की उम्मीद है। देश के नामी समेत राज्य के सभी टूर ऑपरेटरों को अभियान का हिस्सा बनाया जाएगा। यह कार्यक्रम नवंबर से शुरू होगा। इसके लिए पर्यटन से संबंधित विज्ञापन और बैनर देश के सभी प्रमुख हवाई अड्डों पर भी लगाए जाएंगे।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
संतान की चिंता रहेगी। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। भागदौड़ रहेगी। शत्रु भय रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धनार्जन होगा।

वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

मिथुन
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे।

कर्क
फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

कन्या
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला
पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। मानसिक अशांति बढ़ेगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

मकर
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति होगी। घर में तनाव संभव है। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

कुंभ
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ होगा।

मीन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। अशुभ सूचना मिल सकती है। मानसिक अशांति बढ़ेगी। विवाद से क्लेश संभव है।

दुर्गा पूजा पर कोलकाता में दिखेगी 50 किलो सोने से बनी मां दुर्गा की प्रतिमा

कोलकाता में इस वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर करीब 50 किलो सोने से बनी मां दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन करने का मौका मिलेगा। मां दुर्गा की 13 फीट ऊंची इस प्रतिमा की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है। कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्र स्कवायर दुर्गोत्सव समिति ने मां दुर्गा की इस मूर्ति को बनवाया है।

समिति के अध्यक्ष प्रदीप घोष ने आईएएनएस को बताया कि अभी तक किसी ने भी देवी की सोने की प्रतिमा नहीं बनवाई थी। यह हमारी कनक दुर्गा (सोने की दुर्गा) हैं, जो ऊपर से नीचे तक 50 किलोग्राम सोने से बनी हैं।

इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 40 हजार रुपये है, तो कनक दुर्गा की प्रतिमा की कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये होता है। ऐसा नहीं है कि समिति के सदस्यों ने इस प्रतिमा के लिए अपनी जेब से रुपये दिए हैं, बल्कि कई ज्वैलर्स ने इस मूर्ति के निर्माण में सोना दिया है। मूर्ति विसर्जन के बाद वे अपना सोना ले लेंगे।

पूजा समिति के सचिव सजल घोष ने बताया कि इस मूर्ति के निर्माण और त्योहार के लिए कई मल्टी नेशनल कॉर्पोरेट्स ने भी आर्थिक मदद की है।

आपको बता दें कि इससे पहले 2017 में संतोष मित्र स्कवायर दुर्गोत्सव समिति ने मां दुर्गा को सोने की साड़ी अर्पित की थी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, गुरुवार
10 अक्टूबर, 2019

साउथ अफ्रीका कर सकती है पलटवार, पुणे में भारतीय बल्लेबाजों का डरावना इतिहास

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की टीम के लिए भारत के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बने रहना बेहद मुश्किल होगा। भारत से पहला टेस्ट हारने के बाद अब दूसरा मुकाबला पुणे में खेला जाना है। सीरीज महज तीन मैचों की है लिहाजा भारत दूसरा टेस्ट अपने नाम करते ही सीरीज पर कब्जा कर लेगा।

विशाखापत्तनम में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया था। रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबजों के घातक प्रदर्शन ने टीम को 203 रन की बड़ी जीत दिलाई थी।

भारत ने अब तक पुणे के इस मैदान पर सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां खेले एक मात्र टेस्ट में टीम इंडिया को करारी हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 333 रन के बड़े अंतर से अपने नाम किया था। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह से नाकाम रही थी। पहली पारी में भारतीय टीम 105 जबकि दूसरी में सिर्फ 107 रन पर ढेर हो गई थी।

इस मैच में एक मात्र शतक बना था और वो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने दूसरी पारी में खेलते हुए बनाया था। भारतीय टीम यहां साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला जीतकर सीरीज में जीत दर्ज करना चाहेगी। भारत इस वक्त दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले में उसने कुछ ऐसा ही खेल दिखाया था। दूसरा टेस्ट जीतते ही भारतीय टीम घरेलू सीरीज का विश्व रिकॉर्ड कायम करने में कामयाब हो जाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के नाम घर पर खेलते हुए लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीतने का संयुक्त रिकॉर्ड है। भारत 11वीं सीरीज जीतकर नया इतिहास रचेगी। भारतीय टीम टेस्ट चैंपियनशिप में अपने लगातार तीनों मैच जीतकर पहले स्थान पर बनी हुई है। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो लगातार टेस्ट जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का पहला मैच अपने नाम किया था।

जिम्नास्टिक चैंपियनशिपः आशीष 122वें, योगेश्वर 92वें और आदित्य रहे 128वें नंबर पर

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्टों का विश्व कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में खराब प्रदर्शन जारी रहा। महिलाओं के बाद पुरुष खिलाड़ी भी आल-राउंड और व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके। आल-राउंड क्वालिफिकेशन में योगेश्वर सिंह 92वें स्थान केसाथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहे, उन्होंने 76.097 अंक बनाए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अशीष कुमार (73.632) 122वें और आदित्य राणा (73.098) 128वें स्थान पर रहे। फ्लोर एक्सरसाइज क्वालिफिकेशन में आशीष (13.500) 77वें, आदित्य (13.000)125वें और योगेश्वर (12.866) 136वें स्थान पर रहे। योगेश्वर पोम्मेल होर्स में 12.700 के साथ 75वें, आदित्य(10.533) 173वें और आशीष (10.100) 182वें स्थान पर रहे। रिंग क्वालिफिकेशन पैरलल बार और हारिजोंटल बार में भी भारतीय जिम्नास्ट शीर्ष 100 में भी जगह नहीं बना सके।

अमेरिका की सिमोन बाइल्स ने जीता 15 वां विश्व खिताब

अमेरिकी की दिग्गज जिमभनास्ट सिमोन बाइल्स ने मंगलवार को विश्व कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में अपना रिकॉर्ड 15 वां विश्व खिताब हासिल कर लिया। अमेरिका ने महिलाओं का टीम खिताब हासिल किया। रूस ने रजत और इटली ने कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय बाइल्स ने अपना कुल 21 वां मेडल हासिल किया और इसके साथ ही वह सर्वाधिक पदक हासिल करने वालीं महिला जिमनास्ट हो गईं।

विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिपः जमुना बोरा क्वार्टर फाइनल में

उलान उदे (रूस)। भारत की जमुना बोरा ने बुधवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में 54 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है. जमुना ने दूसरे दौर के मैच में पांचवीं सीड अल्जीरिया की ओयूदाद साफोउ को 5-0 से मात दी।

पांचों रेफरियों ने जमुना के पक्ष में अंक दिए। जमुना को रेफिरयों ने 28-29, 27-30, 27-30, 27-30, 27-30 ने अंक दिए. पहले दौर में जमुना आक्रामक होकर खेल रही थीं, लेकिन जल्दबाजी में वह गलतियां भी कर रही थीं।

जमुना हालांकि अपने बाएं जैब के जरिए ओयूदाद को चकमा दे दाएं जैब से अंक लेने में सफल रहीं। जमुना अपनी प्रतिद्वंद्वी के बेहद करीब जाकर खेल रही थीं. दूसरे दौर में उन्होंने अपनी रणनीति बदली और इंतजार कर ओयूदाद के पास आने का मौका ढूंढ़ा।

जमुना बोरा को कुछ पंच सटीक रहे। वह बाएं-दाएं संयोजन का अच्छा इस्तेमाल कर रही थीं. तीसरे दौर में भी शुरूआत में उन्होंने यही रणनीति अपनाई, लेकिन अंत में वह थोड़ी पिछड़ने लगीं। जमुना ने हालांकि अपने आप को तुरंत संभाला और डिफेंसिव होते हुए बढ़त को जाया नहीं जाने दिया। एमसी मेरीकॉम और मंजू रानी ने पहले ही चैम्पियनशिप के कवार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने तोड़ा वनडे का 'सबसे बड़ा रिकॉर्ड', महिला टीम के नाम हुआ ये वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने वनडे क्रिकेट में इतिहास रचा है। कंगारू टीम ने लगातार 18वीं जीत हासिल कर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम 9 विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज जीतने के साथ ही वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

श्रीलंका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चमारा अट्टापट्टू की शतकीय पारी के दम पर 8 विकेट के नुकसान पर 195 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बड़ी ही आसानी से 26.5 ओवर में महज 1 विकेट गंवाकर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से वनडे सीरीज जीतकर श्रीलंका का क्लीन स्वीप भी कर दिया।

श्रीलंका के साथ खेले गए सीरीज के दूसरे वनडे में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 110 रन की जीत हासिल कर 17वीं

लगातार जीत दर्ज की थी। इस मैच को जीतने के साथ ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अपने ही 17वां जीत के रिकॉर्ड की बराबर की थी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने साल 1997 से लेकर 1999 तक बेलिंड क्लार्क की कप्तानी में लगातार 17 वनडे मुकाबले जीते थे।

मैग लैनिंग की कप्तानी में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 18वीं जीत हासिल करते ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

डेल स्टेन संन्यास के बाद मैदान पर लौटेंगे वापस

मेलबर्न। साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने मैदान पर वापसी का फैसला लिया है। आईसीसी विश्व कप के दौरान चोटिल होने के बाद इंटनरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने वाली स्टेन ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग बिग बैश में खेलते नजर आएंगे।

साउथ अफ्रीका के महानतकम तेज गेंदबाजों में शुमार डेल स्टेन इस साल होने वाली ऑस्ट्रेलियन टी20 लीग बिग बैश में मेलबर्न स्टार्स की तरफ से खेलते नजर आने वाली है। स्टेन को आईसीसी विश्व कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में चुना गया थे लेकिन चोट की वजह से उनको बाहर होना पड़ा। चोट से लगातार परेशान स्टेन ने इसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट के अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

जानकारी के मुताबिक क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने पूर्व दिग्गज स्टेन को ऑस्ट्रेलिया टी20 लीग बिग बैश में सिर्फ छह मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह पहला मौका होगा जब स्टेन बिग बैश का हिस्सा होंगे। स्टेन से पहले साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स और ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस बीबीएल में खेल चुके हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बैडमिंटन कोर्ट में पसीना बहा रहीं परिणीति चोपड़ा

ऐक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' की शूटिंग को कंप्लीट करने कर ली है। इसके तुरंत बाद ऐक्ट्रेस ने ओलंपिक पदक विजेता बैंडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल के जीवन पर आधारित पर बायॉपिक के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। हाल ही में फिल्म से परिणीति चोपड़ा का फर्स्ट लुक सामने आया था। वह इस समय बैडमिंटन की नॉन स्टॉप ट्रेनिंग ले रही हैं। कुछ समय पहले परिणीति चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की तैयारियां करते हुए एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में ऐक्ट्रेस को बैडमिंटन कोर्ट में पसीना बहाते देख सकते हैं। इसके अलावा पोस्ट के साथ फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की जानकारी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 11 अक्टूबर से फ्लोर पर जाएगी। परिणीति चोपड़ा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अक्टूबर में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी लेकिन डेट की जानकारी नहीं दी थी। फिल्म का पहला शेड्यूल मुंबई में शूट किया जाएगा और यह शेड्यूल 3 से 4 सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। बायॉपिक को लेकर परिणीति चोपड़ा ने बताया था कि मैंने इस रोल के लिए अपनी पूरी एनर्जी लगा दी है। इसमें मैं कुछ ऐसा कर रही हूं जो पिछली 10-12 फिल्मों में नहीं किया है। इस प्रोसेस में मुझे पता चला कि मैं किस तरह की इंसान हूं। फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं।

'ड्रीम गर्ल' के डायरेक्टर की अगली फिल्म में होंगी दिशा पाटनी

अगर आपको आयुष्मान खुराना की पिछली रिलीज हुई फिल्म 'ड्रीम गर्ल' काफी पसंद आई थी तो अब ऐसी एक और मजेदार कॉमिडी फिल्म के लिए तैयार हो जाएगी। फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य एक और कहानी पर काम कर रहे हैं और इस फिल्म को एकता कपूर प्रड्यूस करेंगी। हाल में एकता ने हाल में कन्फर्म किया है कि इस फिल्म फीमेल लीड रोल में दिशा पाटनी होंगी। एकता पिछले काफी समय से काम कर रही हैं। एक अखबार से बात करते हुए एक सूत्र ने बताया कि इस फिल्म में दिशा चंडीगढ़ की एक पंजाबी लड़की का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म की कहानी को राज ने काफी पहले एकता को सुनाया था और उन्हें यह काफी पसंद आई थी। 'ड्रीम गर्ल' की सफलता को देखते हुए एकता ने तुरंत ही इस फिल्म के लिए अपनी रजामंदी दे दी है। हालांकि राज इस फिल्म का डायरेक्शन और कास्टिंग नहीं करेंगे क्योंकि वह अपनी अगली फिल्म में बिजी हैं। दिशा के बारे में बात करते हुए एकता ने कहा कि दिशा का यूथ जेनरेशन से गजब का कनेक्ट है और इसीलिए वही ऐसा किरदार निभा सकती हैं। अभी तक इस फिल्म का नाम फाइनल नहीं किया गया है और इसका डायरेक्शन आशिमा छिब्बर करेंगी। इस फिल्म के अलावा दिशा आदित्य रॉय कपूर, अनिल कपूर और कुणाल खेमू के साथ फिल्म 'मलंग' में भी नजर आएंगी।

जिंदगी दूसरों के लिए नहीं अपने लिए जिएं: प्रियंका चोपड़ा

फिल्म 'द स्काई इज पिंक' के रिलीज से पहले प्रियंका चोपड़ा इसके प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। भारत में प्रमोशनल इवेंट्स ओवर होने के बाद वह फिलहाल यूएस में इसे प्रमोट कर रही हैं। हाल ही में हमसे हुई खास बातचीत में प्रियंका ने अपनी सफलता पर बात करते हुए आज की जनरेशन को नसीहत देते हुए कहा कि जिंदगी को दूसरों के लिए नहीं जीना चाहिए। अपनी सफलता और इस मुकाम पर पहुंचने का क्रेडिट खुद को देती हुई प्रियंका कहती हैं, अपनी सफलता का सबसे ज्यादा क्रेडिट तो मैं अपने आप को देती हूं क्योंकि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ठोकरें बहुत खाई हैं मैंने और ठोकरों से आगे बढ़ने की क्षमता भी खुद ही रखी मैंने, इसके बाद इस सक्सेस का बड़ा क्रेडिट अपने माता-पिता को दूंगी, जिन्होंने हमेशा मेरा हौंसला बढ़ाया, इस लायक बनाया कि ठोकर लगे तो फिर से खड़े हो सकूं। प्रियंका आगे कहती हैं, माता-पिता ने हमेशा यह साहस दिया कि तुम जब भी गिरने लगोगी, वह ऊंगली पकड़ने के लिए मौजूद हैं। माता-पिता ने मेरे वैल्यू, मेरे विचारों को कभी कम नहीं आंका, मेरे विचारों को हमेशा अहमियत दी, मेरे सपनों को जरूरी बताया, हर सपने के पूरे होने के दौरान मेरे साथ खड़े रहे।